28-08-2021

रा शुगर से रिफाइंड शुगर बनाने में एक्टिव कार्बन पाउडर की भूमिका अहम

- नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट के महेंद्र कुमार यादव ने एक्टिव कार्बन पाउडर बनाया
- उनकी इस उपलब्धि पर एनएसआई ने फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया है

जीटीएनएन

कानपुर। रॉ शुगर से रिफाइंड शुगर के निर्माण में डी-कलर एजेंट के रूप में पाउडर एक्टिव कार्बन का उपयोग विषय पर महेंद्र कुमार यादव को नवीनतम अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के शर्करा प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम का फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। उल्लेखे यह अनुसंधान विगत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

देश में अभी रेसिन टेक्नोलॉजी का यूज शुगर इंडस्ट्री कर रही

वर्तमान में भारत स्थित शर्करा रिफाइनरियों में आयन-एक्सचेंज रेसिन विधि से रॉ शुगर के घोल का रंग कम किया जाता है। इस विधि में बड़े पैमाने पर खारा जल तैयार होने के कारण यह विधि पर्यावरण अनुकूल नहीं मानी जाती। इस संबंध में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक ने कहा कि इसमें उत्पन्न खारे जल का शोधन और निस्तारण ही एक बड़ी समस्या है। इसके स्थान पर पाउडर एक्टिव कार्बन के उपयोग के लिए मानकों के निर्धारण पर अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि यह विधि शर्करा उद्योग के लिए बड़े पैमाने पर लाभप्रद सिद्ध होगी क्योंकि भारतीय शर्करा उद्योग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेहतर आर्थिक लाभ तथा पेय और फार्मा-शुगर उद्योग की मांग के अनुरूप आपूर्ति के लिए धीरे-धीरे रॉ-रिफाइंड शुगर के उत्पादन की ओर बढ़ रही है।

महानगर सार

महेंद्र कुमार यादव को फेलोशिप अवार्ड

महेंद्र कुमार को अवार्ड देते निदेशक डा. नरेन्द्र मोहन।

कानपुर । रॉ शुगर से रिफाइंड शुगर के निर्माण में डी-कलर एजेंट के रूप में पाउडर एक्टिव कार्बन का उपयोग विषय पर नवीनतम अनुसंधान के लिए महेश कुमार यादव को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के शर्करा प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम का फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने यह अनुसंधान विगत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेश डा. नरेंद्र मोहन के मार्गदर्शन में पूरा किया है। वर्तमान में भारत स्थित शर्करा रिफाइनरियों में आयन-एक्सचेंज रेसिन विधि से रॉ शुगर के घोल का रंग कम किया जाता है। इस विधि में बड़े पैमाने पर खारा जल तैयार होने के कारण यह विधि पर्यावरण अनुकूल न हीं मानी जाती। इस संबंध में एनएसआई कानपुर के निदेशक ने बताया कि इसमें उत्पन्न खारे जल का शोधन और निस्तारण ही एक बड़ी समस्या है। इसके स्थान पर पाउडर एक्टिव कार्बन के उपयोग के लिए मानकों के निर्धारण पर अध्ययन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि यह विधि शर्करा उद्योग के लिए बड़े पैमाने पर लाभप्रद सिद्ध होगी। क्योंकि भारतीय शर्करा उद्योग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेहतर आर्थिक लाभ तथा पेय और फार्मा-शुगर उद्योग की मांग के अनुरूप आपूर्ति के लिए धीरे-धीरे रॉ-रिफाइंड शुगर के उ त्पादन की ओर बढ़ रही है।

महेन्द्र को मिला शुगर संस्थान का फेलोशिप

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी महेन्द्र कुमार यादव को 'रॉ शुगर से रिफाइंड शुगर के निर्माण में

डी-कलर एजेंट के रूप में पाउडर एक्टिवेटेड कार्बन का उपयोग' विषय पर उनके नवीनतम शोध अनुसंधान के लिए संस्थान के शर्करा प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम का फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने यह अनुसंधान विगत तीन वर्षों में संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन के मार्गदर्शन में पूरा किया है।